अज्ञेय

जीवन :- परिचय :-

अज्ञेय जी का जन्म सन् 1911 ई० में हुआ था। इनके पिता श्री हीरानन्द शास्त्री पंजाब के करतारपुर (अब - जालन्धर) जिले के निवासी थे। ये वत्स गोत्रीय सारस्वत ब्राह्मण थे। अज्ञेय जी बचपन से ही प्रखर बुद्धि के व्यक्ति थे। क्रान्तिकारी भावना से ओत प्रोत थे। क्रान्तिकारी आन्दोलनों में भाग लेने के कारण इन्हें 4 वर्ष तक जेल में रहना पड़ा और दो वर्ष तक घर में नजरबंद करके रखा गया।

प्रयोगवाद के प्रवर्तक एवं तार सप्तक के सम्पादक अज्ञेय जी मातृभाषा की सेवा करते हुए 4 अप्रैल सन 1987 ई० में इस असार संसार को छोड़ गए।

साहित्यिक परिचय :-

अज्ञेय जी ने सैनिक, विशालभारत, प्रतीक और अंग्रेजी त्रैमासिक वाक् का सम्पादन किया। इन्होंने समाचार पत्र साप्ताहिक 'दिनमान' और नया प्रतीक का भी सम्पादन किया। इन्ही की वजह से हिन्दी साहित्य में एक नया युग प्रयोग-वाद प्रतिफलित हुआ। अज्ञेय जी ने तार सप्तक नाम से एक पत्र प्रकाशित करवाया। जिसका सम्पादन भी स्वयं किया। इसमें सात कवियों की रचनाएँ प्रकाशित होती थी।

रचनाएँ :—

कविता-संग्रह

भग्नदूत
चिंता
इत्यलम
हरी घास पर क्षण भर
बावरा अहेरी
अरी ओ करुणा प्रभामयी
कितनी नावों में कितनी बार
आँगन के पार द्वार

Trick
चिंता से भग्न अहेरी
हरी घास पर करुणा
बिखेरा कितनी बार
हुआ आँगन के पार।

प्रिजन डेज एण्ड अदर पोयम्स (अंग्रेजी)

निबन्ध

सब रंग और कुछ राग
आत्मनेपद
लिखि कागद कोरे

आलोचना

हिन्दी साहित्य : एक आधुनिक परिदृश्य
त्रिशंकु

उपन्यास

शेखर : एक जीवनी (दो भाग)
नदी के द्वीप
अपने-अपने अजनबी

Gyansindhu Coaching Classes

कहानी संग्रह

Trick
विपकोश अजये

- विपथगा
- परम्परा
- कोठरी की बात
- शरणार्थी
- अमर वल्लरी
- जयदोल
- ये तेरे प्रतिरूप

यात्रा वृत्त

- अरे! यायावर याद रहेगा
- एक बूँद सहसा उछली

By-Arunesh Sir